दैनिक जागरण कानपुर 29/03/2023

खेलों में सीएसए के छात्रों ने दिखाया जोश

जासं, कानपुर : सीएसए में एनएसएस के छात्र-छात्राओं ने मंगलवार सुबह परंपरागत खेलों में अपनी प्रतिभा व जोश का प्रदर्शन किया। खेलों का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक और इकाई दो के छात्र-छात्राओं के बीच किया गया। विश्वविद्यालय के मैदान में छात्र-छात्राओं ने खो-खो, कबड्डी, गेंद, दौड़कर छूना, लंगड़ी जैसे अनेक खेल खेलकर मनोरंजन किया।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

– 86, लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, बुधवार, 29 मार्च, 2023 पृष्ठ

सीएसए में एनएसएस के छात्र छात्राओं ने किया परंपरागत खेल कूद का आयोजन

(अनवर अशरफ)। कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में एनएसएस के छात्र–छात्राओं द्वारा आज प्रातः परंपरागत खेलों का आयोजन किया गया इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी डॉ संजीव सचान ने बताया कि बचपन में जो खेल हम लोग खेलते थे, उन्हें खेलते खेलते कभी पता ही नहीं चला कि हम लोग कब बड़े हो गए। यदि किसी को कोई ऐसा मौका मिले जब हम नए साथियों के साथ उन्ही पुराने खेलों को खेलें तो अवश्य एक बार खेल कर देखें। शायद यह बहुत ही अनूठा प्रयोग होगा जिससे आप को बहुत आनंद मिलेगा। ऐसा ही एक अवसर मिला चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई एक और इकाई दो के बच्चों को, इस समय उनका विशेष शिविर आयोजित किया गया है द्य आज फुटबॉल मैदान में सभी छात्रध छात्राएं प्रातः एकत्र हुए और उन्होंने खो–खो, कबड्डी, गेंद खेलना, दौड़कर छूना, लंगडी जैसे अनेक खेल खेलकर असीम आनंद प्राप्त किया द्य बच्चों ने एक दूसरे से अपनी पुरानी और सुखद यादों को भी ताजा किया द्य डॉ. संजीव कुमार सिंह और डॉ. आर.के.पाठक पूरे समय बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु मैदान में उपस्थित रहे ।

छात्र-छात्राओं ने किया परंपरागत खेलकूद का आयोजन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में एनएसएस के छात्र-छात्राओं द्वारा आज प्रातः परंपरागत खेलों का आयोजन किया गया इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी डॉ संजीव सचान ने बताया कि बचपन में जो खेल हम लोग खेलते थे, उन्हें खेलते खेलते कभी पता ही नहीं चला कि हम लोग कब बड़े हो गए। यदि किसी को कोई ऐसा मौका मिले जब हम नए साथियों के साथ उन्ही पुराने खेलों को खेलें तो अवश्य एक बार खेल कर देखें। शायद यह बहुत ही अनूठा प्रयोग होगा जिससे आप को बहुत आनंद मिलेगा। ऐसा ही एक अवसर मिला चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई एक और इकाई दो के बच्चों को, इस समय उनका विशेष शिविर आयोजित किया गया है। आज फुटबॉल मैदान में सभी छात्र/छात्राएं प्रातः एकत्र हुए और उन्होंने खो- खो, कबड्डी, गेंद खेलना, दौड़कर छूना, लंगडी जैसे अनेक खेल खेलकर असीम आनंद प्राप्त किया। बच्चों ने एक दूसरे से अपनी पुरानी और सुखद यादों को भी ताजा किया। डॉ. संजीव कुमार सिंह और डॉ. आर.के.पाठक पूरे समय बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु मैदान में उपस्थित रहे ।

छात्र छात्राओं ने किया परंपरागत खेल कूद का आयोजन

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में एनएसएस के छात्र-छात्राओं द्वारा आज प्रातः परंपरागत खेलों का आयोजन किया गया इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी डॉ संजीव सचान ने बताया कि बचपन में जो खेल हम लोग खेलते थे, उन्हें खेलते खेलते कभी पता ही नहीं चला कि हम लोग कब बड़े हो गए। यदि किसी को कोई ऐसा मौका मिले जब हम नए साथियों के साथ उन्ही पुराने खेलों को खेलें तो अवश्य एक बार खेल कर देखें। शायद यह बहुत ही अनूठा प्रयोग होगा जिससे आप को बहुत आनंद मिलेगा। ऐसा ही एक अवसर मिला चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई एक और इकाई दो के बच्चों को, इस समय उनका विशेष शिविर आयोजित किया गया है 7 आज फुटबॉल मैदान में सभी छात्र छात्राएं प्रातः एकत्र हुए और उन्होंने खो-खो, कबड्डी, गेंद खेलना, दौड़कर छूना, लंगडी जैसे अनेक खेल खेलकर असीम आनंद प्राप्त किया 7 बच्चों ने एक दूसरे से अपनी पुरानी और सुखद यादों को भी ताजा किया 7 डॉ. संजीव कुमार सिंह और डॉ. आर.के.पाठक पूरे समय बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु मैदान में उपस्थित रहे ।

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, बुधवार, 29 मार्च 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

सीएसए में एनएसएस के छात्र छात्राओं ने किया परंपरागत खेल कूद का आयोजन

दि ग्राम टुडे, कानपुर। (मीनाक्षी राहुल सोनकर)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में एनएसएस के छात्र-छात्राओं द्वारा आज प्रातः परंपरागत खेलों का आयोजन किया गया इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी डॉ संजीव सचान ने बताया कि बचपन में जो खेल हम लोग खेलते थे, उन्हें खेलते खेलते कभी पता ही नहीं चला कि हम लोग कब बड़े हो गए। यदि किसी को कोई ऐसा मौका मिले जब हम नए साथियों के साथ उन्ही पुराने खेलों को खेलें तो अवश्य एक बार खेल कर देखें। शायद यह बहुत ही अनूठा प्रयोग होगा जिससे आप को बहुत आनंद मिलेगा। ऐसा ही एक अवसर मिला चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई एक और इकाई दो के बच्चों को, इस समय उनका विशेष शिविर आयोजित किया गया है 7 आज फुटबॉल मैदान में सभी छात्र/ छात्राएं प्रातः एकत्र हुए और उन्होंने खो-खो, कबड्डी, गेंद खेलना, दौड़कर छूना, लंगडी जैसे अनेक खेल खेलकर असीम आनंद प्राप्त किया 7 बच्चों ने एक दूसरे से अपनी पुरानी और सुखद यादों को भी ताजा किया 7 डॉ. संजीव कुमार सिंह और डॉ. आर.के.पाठक पूरे समय बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु मैदान में उपस्थित रहे 7

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ | वर्षः 14 | अंकः 165 | मूल्यः ₹3.00/- | पेज : 12 | बुधवार | 29 मार्च, 2023

फास्ट फॉरवर्ड

परंपरागत खेलों से सीएसए में मची धूम

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बीते दिन मंगलवार को एनएसएस के छात्र-छात्राओं द्वारा परंपरागत खेलों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी डॉ.संजीव सचान ने कहा कि बचपन में जो खेल हम लोग खेलते थे उन्हें खेलते खेलते कभी पता ही नहीं चला कि हम लोग कब बड़े हो गए। यदि किसी को कोई ऐसा मौका मिले जब हम नए साथियों के साथ उन्हीं पुराने खेलों को खेलें तो अवश्य एक बार खेल कर देखें। यह एक अनूठा प्रयोग होगा जिससे आप को बहुत आनंद मिलेगा। उन्होंने कहा कि सीएसएयू के राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई एक और इकाई दो के बच्चों के लिए इस समय विशेष शिविर आयोजित किया गया है। जिसके अंतर्गत आज बच्चों ने खो-खो, कबड्डी, गेंद खेलना, दौड़कर छूना, लंगड़ी जैसे अनेक खेल खेलकर अपनी पुरानी यादों को ताजा किया।

The Pioneer News 29/03/2023

'Playing conventional games brought youth together'

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

National Service Scheme officer, Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology, Dr Sanjeev Sachan while inaugurating the traditional games sports meet on Tuesday said in the era of computer games the Indian conventional games have been buried in the past. However by playing these conventional games the college had tried to encourage teamwork and social interaction. He said it was equally important to teach

young students about our rich Indian culture and tradition as it was to teach them new age concepts. He said it was vital that they know their roots and have a sense of pride about it. He said Indian traditional games like – Kho-Kho, Kabaddi, Langdi Tang (one-leg hopping), skipping, sagar-goti (five stones) and many more did not require expensive equipment to play nor did they require any uniform or specific shoes and accessories, all that was required was people to play with and space to play in. He said there was no doubt that playing conventional games had always brought youth together encouraging teamwork and social interaction. He said team games like Kabaddi and Kho-Kho required students to come up with tactics to defeat their opponents. Dr Sachan said playing traditional games as a family brought the family closer. He said students of the current era need unstructured playtime and introducing conventional games to the family routine can be a great bonding activity for all. Hundreds of girls and boys enjoyed the conventional games all day.

सीएसए में स्टूडेंट्स ने खेले ट्रेडिशनल गेम्स

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के एनएसएस वालंटियर्स की ओर से ट्यूजडे को ट्रेडिशनल गेम्स का आयोजन किया गया. एनएसएस अधिकारी डॉ. संजीव सचान ने बताया कि बचपन में जो खेल हम लोग खेलते थे, उन्हें खेलते खेलते कभी पता ही नहीं चला कि हम लोग कब बड़े हो गए. यदि किसी को कोई ऐसा मौका मिले जब हम नए साथियों के साथ उन्ही पुराने खेलों को खेलें तो अवश्य एक बार खेल कर देखें. फुटबॉल मैदान में स्टूडेंट्स ने खो-खो, कबड्डी, गेंद खेलना, दौड़कर छूना, लंगडी जैसे अनेक गेम खेले.